अर्जित ज्ञान का सार्थक उपयोग ही प्रशिक्षण की सफलता – डॉ. जुयाल

वी. यू. में 5 दिवसीय एस्काड ट्रेनिंग का शुभारंभ

नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर में विभिन्न नई एवं पुन: प्रकट होने वाली बीमारियाँ जैसे स्वाइन फ्लू , ग्लेंडर , वर्ड फ्लू , के बचाव एवं रोकथाम विषय पर एवं पॉच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ वि.वि. के माननीय कुलपति डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल के मुख्य आतिथ्य, डॉ. राजन गुप्ता प्रमुख वैज्ञानिक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली के विशिष्ट आतिथ्य एवं डॉ. आर.पी.एस. बघेल अधिष्ठाता महाविद्यालय जबलपुर की अध्यक्षता में हुआ।

इस अवसर पर डॉ. जुयाल ने कहा कि आप पूरा विश्व आवागमन की सुविधा होने के कारण एक गॉव बन गया है। मनुष्य एक दिन में अनेक देशों का भ्रमण करता है। इसी कारण बीमारियों का फैलाव भी बहुत तेजी से हो रहा है। इसमें पशुओं से मनुष्यों एवं मनुष्यों से पशुओं में फैलने वाली बीमारियाँ प्रमुख है। इसी को ध्यान में रखते हुये म.प्र. पशुपालन विभाग के 20 सहायक पशुचिकित्सा शल्यज्ञों का एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। माननीय कुलपति ने कहा कि आप पाँच दिनों तक गहन प्रशिक्षण प्राप्त करें एवं् अर्जित ज्ञान का सार्थक उपयोग कर प्रशिक्षण को सफल बनायें।

डॉ. बघेल ने प्रशिक्षण की महत्ता एवं उपयोग के बारे में बताया। उन्होनें कहा कि पशुचिकित्सों की भूमिका अब बहुत अधिक बढ़ गई है। पशुपालकों की आर्थिक स्थिति सुधारने की आवश्यकता है।

इस प्रशिक्षण में डॉ. पी.सी. शुक्ला, डॉ. डी.के. गुप्ता, डॉ. कविता रॉय, डॉ. अमिता तिवारी, डॉ. अरूण मौर्य, डॉ. ब्रजेश सिंह, सहित मेडीसिन विभाग के समस्त प्राध्यापक भाग लेंगे।

आप के कार्यक्रम में डॉ. सुनील नायक, डॉ. ओ.पी. श्रीवास्तव, डॉ. एस.के. जोशी, डॉ. अपरा शाही सहित प्राध्यापकों एवं छात्रों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. अमिता तिवारी ने किया।

सूचना एवं जपसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि.
जबलपुर